RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 | मुंबई : शनिवार 10 फरवरी 2024 | वर्ष 05 | अंक 289 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 4 | कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

बाला साहेब ठाकरे को मिले भारत रत्न : राज ठाकरे

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे ने कहा कि देश के प्रसिद्ध कार्टूनिस्ट और देशभर के सभी हिंदुओं में अस्मिता की अलख जगाने वाले अद्वितीय नेता दिवंगत बालासाहेब ठाकरे को भारत रत्न का सम्मान मिलना चाहिए। राज ठाकरे ने कहा कि यदि बाला साहेब को भारत रत्न मिलता है, तो यह मेरे जैसे कई लोगों के लिए उत्साह का क्षण होगा, जिन्हें उनके विचार विरासत में मिले हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव, चौधरी चरण सिंह और भारतीय हरित क्रांति के जनक एस स्वामीनाथन को भारत रत्न देने की घोषणा की है। इस पृष्ठभूमि में राज ठाकरे सोशल मीडिया ''एक्स'' पर पोस्ट लिखकर बाला साहेब ठाकरे को भारत रत्न पुरस्कार से सम्मानित करने की आशा प्रकट की है। पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव, चौधरी चरण सिंह और भारतीय हरित क्रांति के जनक एस स्वामीनाथन को भारत रत्न सम्मान घोषित किया गया। इस सूची में शामिल एस स्वामीनाथन का कुछ महीने पहले ही निधन हो गया था। राज ठाकरे ने लिखा कि एस स्वामीनाथन को जीवित रहते हुए यह सम्मान मिलना चाहिए था। केंद्र की भाजपा सरकार ने पीवी नरसिम्हा राव और चौधरी चरण सिंह और कुछ साल पहले प्रणब मुखर्जी को भारत रत्न सम्मान देने की घोषणा करके राजनीतिक उदारता दिखाई है। उन्होंने कहा कि हिंदू हृदय सम्राट स्वर्गीय बाला साहेब ठाकरे को भारत रत्न देकर यही उदारता दिखानी चाहिए।

बाला साहेब को भूली मोदी सरकारः राऊत

इधर शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राऊत ने ''एक्स'' पर लिखा कि खुद को हिंदुत्ववादी कहने वाली मोदी सरकार एक बार फिर हिंदू हृदय सम्राट बाला साहेब ठाकरे को भूल गई है। पहले 2 और अब 3, एक महीने में 5 नेताओं को भारत रत्न से सम्मानित किया गया, लेकिन न तो वीर सावरकर और न ही शिवसेना प्रमुख बाला साहेब ठाकरे। राऊत ने लिखा कि एक साल में अधिकतम 3 लोगों को भारत रत्न देने का नियम है, लेकिन मोदी सरकार ने एक महीने में 5 लोगों को भारत रत्न देने का ऐलान किया, यह चुनावी हलचल, दूसरा क्या है?

कपूर्री ठाकुर और लालकृष्ण आडवाणी के बाद चौधरी चरण सिंह, पीवी नरसिम्हा राव और एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न से सम्मानित किया गया...कुछ और नेताओं का इंतजार है, लेकिन बाला साहेब ठाकरे को क्यों भूले? जिन्होंने पूरे भारत को हिंदूमय किया..जिसकी वजह से मोदी अयोध्या में राम मंदिर का जश्न मना सके।

14 फरवरी को CM शिंदे कैशलेस मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल का उद्घाटन करेंगे

मुंबई। नागरिकों के लिए स्वास्थ्य देखभाल के मोर्चे पर एक स्वागत योग्य खबर यह है कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के औपचारिक उद्घाटन के एक दिन बाद 15 फरवरी से वे मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल में जाकर कैशलेस उपचार प्राप्त कर सकेंगे।

यह सुविधा 14 फरवरी को काशीमीरा में राजमार्ग के पास स्थित थी। शिवसेना विधायक- प्रताप सरनाईक के दिमाग की उपज, ट्रांसफर डेवलपमेंट राइट्स (टीडीआर) के बदले में एक निजी डेवलपर द्वारा निर्मित चार मंजिला अस्पताल भवन पूरा हो गया है और मरीजों को कैशलेस और शून्य बिलिंग प्रणाली पर स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं प्रदान करने के लिए सुसज्जित है। राज्य सरकार ने उच्च तकनीक चिकित्सा उपकरणों और उपकरणों की खरीद के लिए आवश्यक 25 करोड़ रुपये की धनराशि आवंटित की थी। मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल पीले और नारंगी राशन कार्ड धारकों को मुफ्त में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं प्रदान करेगा जो जुड़वां शहर के नागरिकों के लिए एक वरदान साबित होगा। इसके अलावा, नागरिक खजाने पर कोई बोझ नहीं पड़ेगा क्योंकि सरकार पूरी फंडिंग जिम्मेदारी वहन करेगी। चिकित्सा क्षेत्र में विशेषज्ञता रखने वाले एक सामाजिक सेवा संगठन द्वारा प्रबंधित किया जाने वाला यह संस्थान सुपर स्पेशलिटी उपचार और सर्जरी की पेशकश करेगा, जिसमें कार्डियोवैस्कुलर स्क्रीनिंग और उपचार, मूत्रविज्ञान और अन्य चिकित्सा सेवाएं शामिल हैं।

तत्कालीन सरकार की इच्छाएं हमें...; चित्रा वाघ ने साधा ठाकरे पर निशाना

मुंबई : शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के पूर्व नगरसेवक अभिषेक घोसालकर की हत्या के बाद राज्य में सत्तारूढ़ विपक्ष के आमने-सामने आने की तस्वीर सामने आ रही है. विपक्ष द्वारा गृह मंत्री देवेन्द्र फड़णवीस के इस्तीफे की मांग किए जाने के बीच भी बीजेपी नेता चित्रा वाघ ने ठाकरे समूह पर निशाना साधा है. उन्होंने महाविकास अघाड़ी के साथ-साथ ठाकरे पर इन शब्दों में निशाना साधा है कि हम तत्कालीन सरकार की वासनाओं को भी गेट पर लटका सकते हैं. पिछले कुछ दिनों से राज्य में गोलीबारी की घटनाएं हो रही हैं. यहां तक कि राज्य के राजनीतिक नेता भी एक-दूसरे पर तीर चलाते नजर आ रहे हैं.

कचरा निर्माण होने वाले स्थानों पर ही गिला और सूखा कचरा अलग करें : मनपा आयुक्त

रहिवासी मनपा आयुक्त के आदेश को दिखा रहे ठेंगा

मुंबई:कचरा मुंबई मनपा के लिए बड़ी समस्या बन गई है। डंपिंग ग्राउंड पर फेके जा रहे कचरे से डंपिंग ग्राउंड फूल हो रहे है। मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल ने कचरे की समस्या को देखते हुए कचरा निर्माण होने वाले स्थान पर ही गिला और सूखा कचरा अलग हो इसके लिए जन जागरण करने का निर्णय लिया है।मनपा आयुक्त भले ही कचरे की समस्या से निपटने के लिए कई कदम उठा रहें है लेकिन मुंबई की सोसायटी में रहने वाले रहिवासी ही मनपा आयुक्त के संकल्पना को ठेंगा दिखा रहे है। मुंबई में आवासीय संस्थानों द्वारा 1000 टन से अधिक कचरा निर्माण होने वाले स्थानों पर ही कचरे का निपटारा होना अनिवार्य है।सोसायटियां मनपा के आदेशों का पालन नहीं कर रही है जिसके चलते मनपा एक सामने कचरे का निपटारा करना मनपा के सामने एक बड़ी चुनौती है। मनपा आयुक्त चहल ने कचरे को उसके मूल स्थान पर

वर्गीकृत करने के लिए जनभागीदारी बढ़ाने का निर्देश मनपा अधिकारियों को दिया। आयुक्त ने मुंबई के लोगो में कचरा की समस्या से निपटने के लिए जनजागरूकता फैलाने एक निर्देश दिया। आयुक्त ने लोगो को सूचना, शिक्षा और सवांद के साथ जागरूक करने का निर्देश दिया। इतना ही नहीं जन जागरूकता के लिए संगठनों की नियुक्ति करने का भी निर्देश दिया। कचरा का निपटारा करने के लिए नागरिकों की मानसिकता बदलने के लिए अधिक संवाद के माध्यम से अधिक जागरूक करने की जरूरत बताया। रोजाना इकठ्ठा होने वाले कचरे को गिला और सूखा कचरा अलग करने के लिए सोसायटियों की सहभागिता आवश्यक है।जिससे गिला कौर सूखा कचरा को अलग अलग संग्रहण हो सकेगा। कचरा अलग अलग किया गया तो डंपिंग ग्राउंड का भार कम होगा और कचरे की समस्या का भी निपटान होगा। मनपा उपयुक्त संजोग कबरे ने इसके लिए लोगो को जागरूक करने की सलाह दी मनपा सूखा और गीला कचरा अलग अलग रखने के लिए सोसायटियों को मुफ्त में दो कचरे के डिब्बे देने की योजना बनाई है। सोसायटियों को कचरा का डिब्बा पाने के लिए मनपा को पत्र लिखने की जरूरत है। मनपा 120 लीटर के डिब्बे उपलब्ध कराती है। मुंबई में लगभग 6 हजार सोसायटियां है। मनपा द्वारा मुफ्त में कचरे डिब्बे उपलब्ध कराने के बावजूद 6 हजार सोसायटियों में मात्र 227 सोसायटी ने कचरे डिब्बे के लिए मनपा के पास गुहार लगाई।

सेना (यूबीटी) नेता की हत्या पर अजीत पवार का कहना...

विस्तृत जांच की जाएगी

पुणेः शिवसेना (यूबीटी) नेता अभिषेक घोसालकर की हत्या पर विपक्ष के गुस्से के बीच , महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने शुक्रवार को कहा कि विस्तृत जांच की जाएगी। पूर्व कॉर्पोरेटर और शिवसेना यूबीटी नेता अभिषेक घोसालकर ने गुरुवार को मुंबई के दहिसर में एक सोशल मीडिया लाइव सत्र के दौरान कथित तौर पर एक अकेले हमलावर द्वारा गोली मारे जाने के बाद अस्पताल में दम तोड़ दिया, जिसकी पुलिस ने पहचान मौरिस नोरोन्हा के रूप में की, जिसे मॉरिस भाई भी कहा जाता है। पुलिस के मुताबिक, बाद में नोरोन्हा ने भी खुद को गोली मार ली। मामले की जांच मुंबई क्राइम ब्रांच ने अपने हाथ में ले ली है।

आज यहां पत्रकारों से बात करते हुए अजित पवार ने कहा, ''महाराष्ट्र में ऐसी घटना नहीं होनी चाहिए थी. वीडियो में साफ दिख रहा है कि दोनों के बीच मधुर संबंध थे. इसके बावजूद अगर ऐसी कोई बात होती है तो पूरा मामला की जाँच की।'' ''मैं इस बात से इनकार नहीं करता कि विपक्ष को सरकार को बदनाम करने और गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग करने के लिए एक मुद्दा मिल गया है, लेकिन इस पूरे मामले की पृष्ठभूमि भी देखी जानी चाहिए. मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने भी कल बैठक की थी , और मामले की जांच की जा रही है,'' उन्होंने कहा। डिप्टी सीएम देवेंद्र फड़नवीस ने भी घोसालकर की हत्या को ''गंभीर और दुखद'' बताया और कहा कि किसी को भी इस घटना का राजनीतिकरण नहीं करना चाहिए।

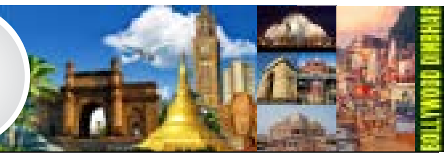

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

बीबीएन की रेत

निवेश की तलहटी में अफरातफरी का आलम यह कि जिस बीबीएन के मार्फत हिमाचल ने आर्थिकी का तिलक लगाना था, वहां सदमे गिने जा रहे हैं। झाड़माजरी में परफ्यूम फैक्टरी की सड़ांध का मुआयना करने निकली सुक्खू सरकार के सामने कई प्रश्न-कई समाधान। मुख्यमंत्री ने स्वयं घटनास्थल पर बिखरे प्रश्नों से बीबीएन की रेत छानी है, तो अंडरग्राउंड तारों के लिए औद्योगिक केंद्र को विश्वास दिलाया गया। दरअसल औद्योगिक विस्तार को प्रदेश से भरोसा चाहिए और भविष्य का मानचित्र भी। बीबीएन की वजह से हिमाचल में उद्योग और उद्योगों में हिमाचल दिखाई देने लगा है। औद्योगिक उत्पादों में मेड इन बीबीएन के पते पर हिमाचल की शोहरत और आर्थिक क्षमता की इबारत दिखाई देती है, लेकिन इसी परिदृश्य के भीतर कई तरह की लापरवाही, अफरातफरी और क्षेत्रीय माफिया की तस्वीर टंगी है। परफ्यूम की फैक्टरी यूं ही नहीं जली, इससे पूर्व के तमाम अग्निकांडों के अंगारे वहां समाहित थे। वे तमाम शिकायतें, हिदायतें, निरीक्षण व परीक्षण वहां अपनी-अपनी लुकाछिपी में ऐसी आशंकाओं से घिरे थे और लापरवाही के बीच हमने एक जली हुई इमारत की गवाही में मुर्दे चुन लिए। खुशनसीब हैं वे घायल जो मुख्यमंत्री के कुशलक्षेम पूछने पर ठीक सा उत्तर दे पाए और राहत का दरिया उनके सामने जिंदा हो गया, वरना किसने सुनी वे चीखें, जो बीबीएन निरंतर सुनता है। हर मृतक के नाम पर साढ़े छह लाख देने वाला बीबीएन क्या आगे चलकर जिंदा व्यवहार करेगा या वहां की अफरातफरी में बस उद्योगों का यही मुकद्दर है। दरअसल हमने बीबीएन के विकास में हिमाचल का चेहरा नहीं देखा, वरना वहां भी पहाड़ी सौम्यता, ईमानदारी और जज्बा पैदा होता।

न बीबीएन की भाषा में हिमाचल को कोई सुन रहा और न ही नैन-नक्श में वहां हिमाचल दिखाई दे रहा है। यह ऐसी औद्योगिक क्रांति है जहां कभी खोटी दवाइयों के दोष में हिमाचल अभिशप्त है, तो कभी औद्योगिक असुरक्षा में राज्य के इंतजाम लाचार हैं। इससे इतर जो निवेशक हिमाचल को अपनी समृद्धि, उत्पादकता व नवाचार का घर बनाना चाहते थे, वे निराश सिपाही बनकर लौट गए या इस समुद्र से बाहर निकल कर कहीं अन्यत्र टापू बनाने लगे। कभी बीबीएन की सुबह और बीबीएन की शाम को देखना किस कद्र इस शहर की क्षमता हर दिन को विस्थापित करके पड़ोसी राज्यों में बस जाती है। रह जाती है भीड़, थके हुए मजदूर, बाहरी राज्यों के निम्र स्तरीय कर्मचारी मजबूर या प्रदूषण व अफरातफरी का दस्तूर। कौन है बीबीएन का प्रश्रयदाता, प्रस्तोता या प्रशंसक। किसने इसकी रूह में ढलना या पलना सीखा। लंबी ट्रकों की कतार में भाड़े के ल् को हर उत्पादन की लागत बढ़ाने की अनुमति किसने दी या हमेशा चचाओं में क्यों रहता स्क्रैप। जिसने बीबीएन के गाल चमकाए, उसके गाल किसने लाल किए। हमने बीबीएन के मार्फत अपनी आर्थिकी का शृंगार किया होता, तो यहां चंडीगढ़ के पास हिमाचल का भी एक सदाबहार चंडीगढ़ होता, लेकिन बह गए वे सारे नजारे जो कभी यहां दिखाई दिए। अब जलती फैक्टरियों की सड़ांध या प्रदूषण की गंध में हमें खुद को बचाना है, तो इस औद्योगिक शहर को हिमाचल की आर्थिक राजधानी का दर्जा दिया जाए। तमाम बैंकों के राज्य स्तरीय कार्यालय व हिमाचल के उद्योग तथा प्रदूषण के कार्यालयों का संचालन यहां से करते हुए बीबीएन का औद्योगिक संवाद बढ़ाना होगा। इसी बीबीएन की गलियों के उन्माद को औद्योगिक माहौल का प्रशिक्षण, चेहरा और प्रशासनिक बेहतरी का पाठ पढ़ाने के लिए महती परिश्रम की जरूरत है। बेशक हर सरकार में बीबीएन के कई मालिक बन जाते हैं, लेकिन वहां लुटती हिमाचल की क्षमता को कोई नहीं देख पा रहा, वरना क्यों कुछ निवेशक या तो मैदान छोड़ रहे हैं या अपना सामान छोड़ कर भाग रहे हैं।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

यूबीटी नेता की गोली मारकर हत्या पर बोले उपमुख्यमंत्री फड़नवीस...

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) नेता अभिषेक घोसालकर की हत्या के बाद महाराष्ट्र की महायुति सरकार को आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। विपक्षी नेता राज्य की कानून-व्यवस्था की स्थिति पर चिंता जता रहे हैं और कथित तौर पर आपराधिक तत्वों को बढ़ावा देने के लिए सीएम शिंदे को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं।मीडिया से बात करते हुए महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फड़णवीस ने युवा नेता की हत्या को बेहद दुखद बताया.

फड़णवीस ने इस घटना को व्यापक कानून-व्यवस्था के मुद्दों से जोड़ने और इसका राजनीतिकरण करने के प्रयासों पर दुख व्यक्त किया। ''2024 में, मॉरिस और घोसालकर को एक ही बैनर पर एक साथ नए साल का स्वागत करते हुए देखा गया था। उन्होंने कई वर्षों तक एक साथ काम किया था। विभिन्न कारणों से, वे प्रतिद्वंद्वी बन गए, और ऐसे कई कारण सामने आ रहे हैं जिनकी जांच चल रही है,'' फड़नवीस ने कहा.

घोषालकर की दहिसर इलाके में एक अकेले हमलावर ने गोली मारकर हत्या कर दी, जिसकी पहचान पुलिस ने मौरिस नोरोन्हा के रूप में की है। उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक, बाद में हमलावर नोरोन्हा ने भी खुद को गोली मार ली। पुलिस ने बताया कि मृतक मौरिस के खिलाफ आईपीसी की धारा 302, आर्म्स एक्ट की धारा 3 और 25, धारा 37 (1) (ए) और महाराष्ट्र पुलिस एक्ट की धारा 135 के तहत भी मामला दर्ज किया गया है.

समुद्र पर बने सबसे लंबे 'अटल सेतु' पर जल्द शुरू हो रही पहली मुंबई बस सर्विस

BEST ने पूरी की तैयारी...

मुंबईः समुद्र पर बने देश के सबसे लंबे पुल'अटल बिहारी वाजपेयी सेवारी-न्हावा शेवा अटल सेत' पर जल्द ही बस चलना शुरू हो जाएगी। अटल सेतु जिसे मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक के नाम से भी जाना जाता है इस पर जल्द ही मुंबई की पहली बस सर्विस शुरू होगी। अटल सेतु पर बस सेवा शुरू करने की तैयारी बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट ने पूरी कर ली है। याद रहे केंद्र की मोदी सरकार के अटल सेतु पर बहुत तेजी से काम हुआ और समुद्र पर तैयार हुए देश के सबसे लंबे इस पुल का उद्घाटन 15 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। पीएम मोदी ने ही दिसंबर 2016 में 21.8 किलोमीटर लंबे और 6 लेन वाले पुल का शिलान्यास किया था। अटल सेतु की मदद से नवी मुंबई से मुंबई तक की दूरी महज 20 मिनट में यात्री पूरी कर सकेंगे। 17,840 करोड़ रुपये से अधिक लागत लगाकर तैयार किया ये अटल सेतु मुंबई के सार्वजनिक परिवहन के लिए विकास में ये अहम माना जा रहा है। अटल सेतु पर शुरू हो रहे नए बस मार्ग, एस-145, की चलो ऐप से जोड़ा जा रहा है। अटल सेतु पर शुरू हो रही इस सेवा से ट्रैफिक से भरी महानगरी मुंबई के यात्रियों के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा।

एस-145 बस मार्ग को अटल सेतु के माध्यम से कोंकण भवन, बेलापुर और वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के बीच जाने के लिए डिजाइन किया गया है। कोंकण भवन से अपनी यात्रा शुरू करते हुए, यह मार्ग साई संगम, तारघर, उल्वे नोड, आई तरुमाता, कामधेनु ओकलैंड्स, एमटीएचएल, ईस्टर्न फ्रीवे, सीएसएमटी, चर्चगेट स्टेशन सहित महत्वपूर्ण स्थानों से होकर गुजरेगा और कफ परेड पर समाप्त होगा। हालांकि शुरूआत में बस सेवा सुबह बेलापुर से वर्ल्ड ट्रेड सेंटर तक बस की दो ट्रिप और शाम को वर्ल्ड ट्रेड सेंटर से बेलापुर तक दो दो ट्रिप होगी। ऐसी शेड्यूलिंग का उद्देश्य पीक आवर्स के दौरान यात्रियों की आवागमन की जरूरतों को पूरा करना है साथ ही पहुंच और सुविधा को बढ़ाना है।

मुंबई के नायर अस्पताल में आटा खत्म...

मरीजों को नहीं मिल पा रही रोटी

मुंबईः नायर अस्पताल में मरीजों को दिए जाने वाले आहार में से रोटी गायब है। अस्पताल में आटे का स्टॉक समाप्त होने के कारण यह दिक्कत हो रही है। अस्पताल से जुड़े सूत्रों के अनुसार, 20 फरवरी के बाद समस्या और भी बढ़ सकती है, क्योंकि सारा राशन समाप्त होने वाला है, जबकि टेंडरिंग भी नहीं हुई है। ऐसे में अस्पताल प्रशासन ने अगर जल्द से उचित निर्णय नहीं लिया, तो गरीब मरीजों को काफी दिक्कतें होने लगेंगी। यह मरीज अस्पताल के आहार पर ही निर्भर रहते हैं।

हालांकि अस्पताल प्रशासन ने आटे का ऑर्डर दिए जाने की बात कही है। बीएमसी के अस्पतालों में रोजाना हजारों मरीज इलाज करवाते हैं। सैकड़ों मरीजों को अस्पताल में भर्ती होना पड़ता है। अस्पताल के मरीजों को दाल, चावल, रोटी, सब्जी, अंडा और दूध दिया जाता है। कई मरीजों के लिए उनके घर से खाना आता है, लेकिन कई मरीज इतने गरीब हैं कि कई उन्हें अस्पताल में मिलने वाले निःशुल्क खाने का ही सहारा रहता है। नायर अस्पताल में रोजाना 1000 मरीजों का खाना बनता है।

अस्पताल में लगी भीषण आग... घायल होने की सूचना नहीं

पुणे : महाराष्ट्र के पुणे में ससून अस्पताल में शुक्रवार को आग लग गई। इस बीच, आग बुझाने के लिए दमकल की गाड़ियां मौके पर मौजूद हैं। अभी तक किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है। आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है।अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है.

रोड पर तेज रफ्तार बस ने कई वाहनों को मारी टक्कर...

मुंबई : उरण में खोपता कोप्रोली रोड पर एक तेज रफ्तार एनएमएमटी (नवी मुंबई म्युनिसिपल ट्रांसपोर्ट) बस ने कई वाहनों को टक्कर मार दी, जिससे 26 वर्षीय एक व्यक्ति की जान चली गई। रिपोर्टों के अनुसार, यह घातक दुर्घटना सुबह 10 बजे के आसपास हुई जब एनएमएमटी बस चालक ने ओवरटेक करने का प्रयास किया, लेकिन वाहन से नियंत्रण खो दिया और सड़क की विपरीत दिशा में मुड़ गया और अन्य वाहनों से टकरा गया। एक्स (जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था) पर पोस्ट किया गया घटना का कथित वीडियो ठीक उसी क्षण को दशार्ता है जब बस ने एक दुकान के पास खड़े टेम्पो सहित कई खड़ी गाड़ियों को टक्कर मार दी थी।

नाबालिग लड़के पर दुष्कर्म का आरोप...

12वीं की परीक्षा को देखते हुए कोर्ट ने आरोपी को अग्रिम जमानत दी

मुंबई : एक नाबालिग लड़के पर अपनी ही उम्र की लड़की से दुष्कर्म का आरोप है. घटना ठाणे के रबाले इलाके की है. आरोपी के खिलाफ POCSO के तहत मामला दर्ज किया गया था. हालांकि 12वीं की परीक्षा नजदीक होने के कारण उसने गिरफ्तारी पूर्व जमानत याचिका दायर की. अर्जी पर बॉम्बे हाई कोर्ट में जस्टिस सारंग कोटवाल की सिंगल बेंच के सामने सुनवाई हुई. अर्जी को कोर्ट ने मंजूरी दे दी है. 12वीं की परीक्षा को देखते हुए कोर्ट ने आरोपी को अग्रिम जमानत दे दी है. कोर्ट ने 8 फरवरी को आदेश पत्र जारी किया है.

ठाणे के रबाले इलाके में रेप की घटना हुई. लड़की के परिजनों की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया. इस मामले में आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था. लेकिन अब चूंकि परीक्षा अगले कुछ दिनों में है तो आरोपी की ओर से बॉम्बे हाई कोर्ट में गिरफ्तारी पूर्व जमानत की अर्जी दाखिल की गई. जस्टिस सारंग कोटवाल ने इस मामले पर गौर करते हुए कहा, 'ये मामला बेहद चिंताजनक है. लड़की की सहमति एक महत्वपूर्ण कारक थी जिसने हमें चिंतित किया. बेशक, लड़की की उम्र को देखते हुए उसकी सहमति कोई मायने नहीं रखती, लेकिन आरोपी की उम्र भी 18 से कम है. जैसे-जैसे परीक्षा नजदीक आ रही है, अग्रिम जमानत देने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता.'

इस मामले में पीड़ित लड़की के परिजनों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी. उन्होंने यह भी दर्ज किया था कि अपराध में लड़की गर्भवती हो गई थी.हालांकि, 4 फरवरी 2024 को पीड़िता की ओर से एक पत्र के जरिए यह बात कही गई थी कि 'उसे गिरफ्तारी से पहले जमानत देने पर कोई आपत्ति नहीं है.' पुलिस ने यह पत्र अदालत में दाखिल किया. सभी पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने मामले पर चिंता जताई. कोर्ट ने आरोपी की गिरफ्तारी पूर्व जमानत अर्जी मंजूर कर ली. कोर्ट ने कहा कि 'दोनों की उम्र 18 साल से कम है. दोनों की परीक्षाएं चल रही हैं और शिकायतकर्ता ने खुद भी कहा है कि पीड़ित लड़के को अग्रिम जमानत देने में कोई आपत्ति नहीं है. 12वीं कक्षा की परीक्षाएं नजदीक आ रही हैं. उन्होंने अग्रिम जमानत के लिए आवेदन किया है ताकि उनकी परीक्षा में खलल न पड़े। इसलिए इस मामले में जांच जारी रहेगी.'

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से इस्तीफे की मांग, महाराष्ट्र में गुंडों का राज! - संजय राउत

मुंबई : शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता अभिषेक घोसालकर की गुरुवार को मुंबई में अज्ञात हमलावरों द्वारा कथित तौर पर गोली मारकर हत्या करने के बाद, पार्टी नेता संजय राउत ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से इस्तीफे की मांग की। 'एक्स' पर एक पोस्ट में, राउत ने लिखा, ''महाराष्ट्र में गुंडों का राज! चार दिन पहले अभिषेक घोसालकर को गोली मारने वाला मोरीश नरोहना बंगले पर था। मुख्यमंत्री ने उससे मुलाकात की।''

''मॉरिश को शिंदे सेना में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था! गृह मंत्री के रूप में फड़नवीस पूरी तरह विफल हैं! इस्तीफा दें!'' कांग्रेस नेता सचिन सावंत ने 'एक्स' पर लिखा, ''विनोद घोसालकर के बेटे, पूर्व नगरसेवक अभिषेक घोसालकर की मौत चौंकाने वाली है। जिस तरह से उनकी हत्या की गई वह भयावह है। क्या राज्य में कानून व्यवस्था है? यह सवाल है।'' बड़ा हो रहा है।'' ''महाराष्ट्र का हर तरफ से पतन दुखद है। भगवान विनोदजी और उनके परिवार को कम उम्र में अभिषेक के चले जाने से पैदा हुए इस संकट से उबरने की शक्ति दें। अभिषेक को भावभीनी श्रद्धांजलि!'' उसने जोड़ा।

गौरतलब है कि जनवरी में यह इस तरह की दूसरी घटना है। इससे पहले, भाजपा विधायक गणपत गायकवाड़ ने उल्हासनगर के हिल लाइन पुलिस स्टेशन में शिवसेना (एकनाथ शिंदे) गुट के नेता महेश गायकवाड़ पर कथित तौर पर गोलियां चलाईं, जिस पर विपक्षी नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। बीजेपी विधायक फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं.

लोकसभा चुनावों में भी उलटफेर का अनुमान

मुंबई: 2024 लोकसभा चुनावों के लिए सभी राजनीतिक दल तैयारियों में जुटे हुए हैं। लोकसभा की सीटों में मामले में देश में उत्तर प्रदेश के बाद दूसरे नंबर पर आने वाल महाराष्ट्र में बड़े उलटफेर का अनुमान सामने आया है। वोटर सर्वे ने महाराष्ट्र में तमाम राजनीतिक उठापठक के बाद लोकसभा चुनावों में भी उलटफेर का अनुमान व्यक्त किया है। मूड ऑफ द नेशन में सत्ताधारी महायुती को सिर्फ 22 सीटें मिलने की बात कही गई है। महाराष्ट्र में लोकसभा की 48 सीटें हैं। 2019 में चुनावों में बीजेपी ने अविभाजित शिवसेना के साथ मिलकर महाराष्ट्र में विपक्ष का सूपड़ा साफ करते हुए 41 सीटें जीती थीं।

सर्वे में कहा गया है कि अगर राज्य में अभी लोकसभा के चुनाव हो जाएं तो महायुती (बीजेपी + शिवसेना शिंदे+ एनसीपी अजित) को 22 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया है, तो वहीं दूसरी तरफ महाविकास अघाड़ी (MVA) को 26 सीटें मिलने की बात कही गई है। अभी तक जो दूसरे सर्वे आए हैं उनमें महायुति यानी NDA को आगे दिखाया गया था, लेकिन सी वोटर के सर्वे में अलग निष्कर्ष सामने आया है। कहा जा रहा है कि महाराष्ट्र में शिवसेना और NCP टूटने के बाद भी NDA को फायदा होता नहीं दिख रहा है। महाराष्ट्र में लोकसभा के चुनावों को वहां के क्षेत्रीय दलों के लिए काफी अहम माना जा रहा है, क्योंकि इस साल के अंत में राज्य में लोकसभा चुनाव भी होंगे। ऐसे में एनसीपी और शिवसेना के दोनों खेमों की ताकत की परीक्षा लोकसभा चुनावों में होगी।

2019 में एनसीपी-कांग्रेस और बीजेपी-शिवसेना के बीच आमने-सामने की टक्कर हुई थी, लेकिन बीते पांच सालों में राज्य की राजनीति कई करवटें ले चुकी है। शिवसेना के बाद एनसीपी भी दो खेमों में टूट चुकी है। एनसीपी और शिवसेना अब आधिकारिक तौर बीजेपी के साथ हैं तो वहीं राज्य में शिवसेना (उद्धव बाला साहब ठाकरे) और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) का गठन हुआ है।

मनसे के बीजेपी से गठबंधन की अटकलें तेज

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र की राजनीति से बड़ी खबर आ रही है. यहां राज ठाकरे को लेकर हलचल तेज हो गई है. सूत्र बता रहे हैं कि राज ठाकरे एनडीए में आ सकते हैं. बीजेपी ने राज ठाकरे को निमंत्रण देकर दिल्ली बुलाया है. परसों (6 फरवरी) रात राज ठाकरे ने डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात हुई थी. राज ठाकरे अपनी कोर टीम के साथ देवेंद्र फडणवीस से मुंबई में मिले थे. राज ठाकरे का मुंबई और आसपास के इलाकों में प्रभाव माना जाता है.

इस गठबंधन के कयास और बल मिल गया था जब डिप्टी सीएम फडणवीस के आवास पर मनसे के कुछ नेता पहुंचे थे. यहां मनसे के तीन नेता संदीप देशपांडे, नितिन सरदेसाई और बाला नंदगावकर की फडणवीस से मुलाकात हुई थी. माना जा रहा है कि उस दिन गठबंधन को लेकर ही चर्चा हुई थी. हालांकि परसों फडणवीस और ठाकरे में से मुलाकात की थी वह पहली बार नहीं हुई थी दोनों कई मौके पर साथ देखे गए हैं. इसके पहले राज ठाकरे ने शिवसेना चीफ और सीएम एकनाथ शिंदे से भी मुलाकात की थी.

महाराष्ट्र में राज ठाकरे की छवि हिंदुत्ववादी नेता के तौर पर है. राज ठाकरे के सामने भी पार्टी के विस्तार की चुनौती है. विधानसभा चुनावों में पार्टी कुछ खास नहीं कर पाई थी. वो 'मराठा मानुष' के मुद्दे पर राजनीति करते रहे हैं. अगर राज ठाकरे एनडीए में शामिल होते हैं तो महाराष्ट्र में एनडीए का विस्तार होगा. अभी एनडीए में एकनाथ शिंदे, बीजेपी और अजित पवार शामिल हैं.

फिलहाल एनडीए के घटक दलों में कौन कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगा ये फाइनल नहीं हो पाया है. राज ठाकरे किन शर्तों पर एनडीए में आते हैं, ये भी आने वाले समय में साफ हो जाएगा. राज ठाकरे का संबंध महाराष्ट्र के ठाकरे परिवार से है. वो उद्धव ठाकरे के चचेरे भाई हैं. राज ठाकरे अपने चाचा और उद्धव ठाकरे के पिता बाल ठाकरे को अपना आदर्श मानते हैं.

7 करोड़ के गबन घोटाले में सहकारी क्रेडिट सोसायटी के उपाध्यक्ष और सचिव गिरफ्तार

मुंबई : सहकारी क्रेडिट सोसायटी, मुंबई नागरिक सहकारी पाटसंस्था के उपाध्यक्ष और सचिव को पर्याप्त रिटर्न का वादा करके कई जमाकताओं को धोखा देने, जिसके परिणामस्वरूप करोड़ों रुपये की राशि का गबन हुआ, के आरोप में बुधवार रात को गिरफ्तार किया गया। दोनों भाइयों आशीष प्रवीण भालेराव और अमित प्रवीण भालेराव, जो क्रमशः उपाध्यक्ष और सचिव के पद पर थे, को सत्र न्यायालय और उच्च न्यायालय दोनों द्वारा उनकी अग्रिम जमानत अनुरोध अस्वीकार किए जाने के बाद गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद, जांचकर्ता सुदर्शन चव्हाण ने सात रास्ता और किला क्षेत्र में एक आरोपी को पकड़ लिया, जिन्होंने कार्रवाई की क्योंकि आरोपियों ने जमानत से इनकार के बाद अपने मोबाइल फोन बंद कर दिए थे और लगातार स्थान बदल रहे थे।

जांच की शुरूआत अक्टूबर 2023 में 57 वर्षीय एक महिला द्वारा दर्ज की गई शिकायत से हुई। जांच में सहकारी क्रेडिट सोसायटी के माध्यम से 7 करोड़ रुपये के गबन का खुलासा हुआ। जवाब में, संगठन की समिति को बर्खास्त किया जा रहा है, और प्रशासनिक ऑडिट आयोजित किए जा रहे हैं। खाताधारकों को धन वापस करने में विफल रहने पर मुंबई नागरिक सहकारी पाटसंस्था के समिति सदस्यों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अब तक दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, समिति से जुड़े आठ अन्य लोगों की जांच जारी है। पुलिस अधिकारी ने खुलासा किया कि सहकारी क्रेडिट सोसायटी ने आकर्षक मुनाफे का वादा करते हुए व्यक्तियों को विभिन्न योजनाओं में निवेश करने के लिए लुभाया, लेकिन खाताधारकों को पैसे वापस करने में विफल रही, जिससे कुल 4000 व्यक्ति प्रभावित हुए।

मनोज जारांगे-पाटिल ने मंडल पैनल को 'चुनौती' देने की धमकी दी

मुंबई : कोटा कार्यकर्ता मनोज जारांगे ने गुरुवार को कहा कि अगर महाराष्ट्र के मंत्री और ओबीसी नेता छगन भुजबल ने मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की राह में बाधाएं पैदा कीं तो वह ''मंडल आयोग को चुनौती देंगे'' उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि यदि सरकार ने ''ऋषि-सोयारे'' या उन लोगों के रक्त रिश्तेदारों को कुनबी जाति प्रमाण पत्र देने के अपने आश्वासन को लागू नहीं किया, जिन्होंने पहले से ही खुद को कुनबी समुदाय से संबंधित के रूप में स्थापित किया है, तो वह 10 फरवरी से नए सिरे से भूख हड़ताल शुरू करेंगे।.

''जैसे आपके बेटे-बेटियाँ हैं, वैसे ही हमारे भी बेटे-बेटियाँ हैं। हम मंडल कमीशन को चुनौती नहीं देना चाहते. तुम जियो और हमें जीने दो. लेकिन अगर आपने हमारे आरक्षण के रास्ते में बाधाएं पैदा कीं, तो हमारा धैर्य खत्म हो जाएगा और हमें मंडल आयोग को चुनौती देनी होगी, ''जरांगे-पाटिल ने संवाददाताओं से कहा। ''राज्य के खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री और ओबीसी नेता छगन भुजबल ने मराठा आरक्षण के लिए तीन बार समस्याएं पैदा की हैं। उन्हें इसे रोकना चाहिए,'' जारांगे-पाटिल ने कहा। ''10 फरवरी से प्रस्तावित भूख हड़ताल 'सेज-सोयारे' आदेश के कार्यान्वयन के लिए है। मराठा आंदोलनकारियों के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों को रद्द करने की मांग भी पूरी नहीं की गई है, ''कार्यकर्ता ने आगे कहा।

'हमें अहंकार की मशाल को तीर-धनुष से...',

उद्धव गुट के 'गद्दार' वाले बयान पर CM शिंदे का पलटवार

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अपने प्रतिद्वंद्वियों द्वारा उनके खिलाफ लगाए जाने वाले 'गद्दार' होने के आरोपों का जवाब देते हुए बुधवार को कहा कि यदि 50 विधायक और 13 सांसद गलत होते, तो लोग बड़ी संख्या में उनका समर्थन नहीं करते. शिंदे ने शिवसेना के प्रतीक चिह्नों और अपने पूर्व पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले समूह की ओर परोक्ष तौर पर इशारा करते हुए कहा कि यह समय ''अहंकार की मशाल'' को इस धनुष-बाण से बुझाने का है. ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना 2022 में विभाजित हो गई थी जब शिंदे ने पार्टी के अधिकतर विधायकों के साथ पार्टी छोड़ दी थी और बीजेपी के साथ मिलकर सरकार बना ली थी. बाद में निर्वाचन आयोग ने शिंदे गुट को 'शिवसेना' नाम और उसका धनुष-बाण चिह्न दे दिया था. ठाकरे के नेतृत्व वाले गुट को शिवसेना (यूबीटी) के रूप में जाना जाता है और इसका प्रतीक चिह्न 'मशाल' है. इससे पहले शिंदे ने धाराशिव जिले (पूर्व में उस्मानाबाद) में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, ''वे आरोप लगाते हैं कि उनकी पार्टी को चुरा लिया गया है और उन्हें धोखा दिया गया है.'' शिंदे ने बिना किसी का नाम लिए कहा, ''अगर 50 विधायक और 13 सांसद गलत होते तो लोग बड़ी संख्या में हमारे साथ नहीं आते. आत्मनिरीक्षण करने के बजाय, वे (यूबीटी) हमें गद्दार कहकर हर दिन रोते हैं लेकिन उनकी ओर कोई नहीं बचा है.'' शिंदे और ठाकरे के नेतृत्व वाले गुट किसी न किसी मुद्दे पर आमने-सामने होते रहे हैं. उन्होंने कहा, ''अब हमारे पास धनुष-बाण है. हमें इससे अहंकार की मशाल को बुझाना है.'' शिंदे ने कहा कि ''वे'' शिकायत करते हैं कि शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे के आदर्शों को चुरा लिया गया है. उन्होंने कहा, ''क्या आदर्शों की चोरी हो सकती है? उन्होंने 2019 में ही बाल ठाकरे के आदर्शों को छोड़ दिया. वे सिर्फ बाल ठाकरे की पार्टी का कोष चाहते थे.'' मुख्यमंत्री ने दावा किया कि उनके गुट को पार्टी (शिवसेना) का नाम और उसका चिह्न रखने की अनुमति मिलने के बाद, 'उन्होंने हमें पत्र लिखकर पार्टी के 50 करोड़ रुपये की मांग की. '' शिंदे ने कहा, 'मैंने तुरंत वह राशि देने का आदेश दिया क्योंकि हमें केवल बाल ठाकरे के आदर्शों की जरूरत थी, पार्टी के पैसे की नहीं.'' मुख्यमंत्री ने कहा कि शिवसेना कार्यकर्ताओं को सरकारी योजनाओं को महाराष्ट्र के लोगों तक ले जाना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उन्हें इसका लाभ मिले. उन्होंने कहा, 'हमें (सत्तारूढ़ गठबंधन) लोकसभा में 45 से अधिक सीट जीतनी हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों को मजबूत करना है.' महाराष्ट्र में लोकसभा की 48 सीटें हैं.

छतों पर पहले से जमा थे पत्थर... थाने पर फायरिंग, DM ने किए बहुत बड़े खुलासे

हल्द्वानी : हल्द्वानी हिंसा पर नैनीताल की डीएम और एसएसपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कई अहम जानकारियां दी हैं। इस दौरान डीएम वंदना सिंह ने बताया कि 15 दिन से अतिक्रमण हटाने की ड्राइव चल रही थी। उन्होंने बताया कि इसके लिए पहले से ही सूचना दी गई थी। डीएम वंदना ने बताया कि दंगाइयों ने पेट्रोल बम का भी इस्तेमाल किया। इलाके में छतों पर पहले से ही पत्थर जमा किए गए थे।

हाईकोर्ट के आदेश पर हटाया गया अतिक्रमण

डीएम वंदना सिंह ने आगे बताया कि हाईकोर्ट के आदेश के बाद हल्द्वानी में विभिन्न स्थानों पर अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की गई। सभी को नोटिस दिया गया और सुनवाई के लिए समय दिया गया। कुछ ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया, कुछ को समय दिया गया, जबकि कुछ पक्षों को समय नहीं दिया गया। जहां समय नहीं दिया गया वहां पीडब्ल्यूडी और नगर निगम की ओर से तोड़फोड़ अभियान चलाया गया। यह कोई पृथक गतिविधि नहीं थी और किसी विशेष संपत्ति को टारगेट

नहीं किया गया। नैनीताल की डीएम वंदना सिंह ने आगे बताया, ''यह एक खाली संपत्ति है जिसमें दो ठांचे हैं, जो धार्मिक ढांचा के रूप में पंजीकृत नहीं है या इसे ऐसी कोई मान्यता नहीं दी गई है। कुछ लोग संरचना को मदरसा कहते हैं और कुछ लोग उसे नमाज स्थल कहते हैं। लेकिन उसका कानूनी तौर पर किसी भी दस्तावेज में अस्तित्व नहीं है।'' डीएम ने बताया कि अतिक्रमण रोधी अभियान शांतिपूर्वक शुरू हुआ। सुरक्षा के लिए फोर्स तैनात की गई। इस दौरान हमारी नगर निगम की टीम पर पथराव किया गया। योजना बनाई गई थी कि जिस दिन तोड़फोड़ अभियान चलाया जाएगा उस दिन फोर्स पर हमला किया जाएगा। पत्थरों के साथ आई पहली भीड़ तितर-बितर कर दी गई लेकिन जो दूसरी भीड़ आई उसके पास पेट्रोल बम थे। यह अकारण था और हमारी टीम ने कोई बल प्रयोग नहीं किया।''

पिज्जा आउटलेट पर सफाई करते समय लगा करंट, डोमिनोज कर्मचारी की मौत!

ठाणे: ठाणे शहर से एक दुखद घटना में, एक लोकप्रिय पिज्जा श्रृंखला आउटलेट पर नियमित सफाई कार्य करते समय बिजली का झटका लगने से 24 वर्षीय कर्मचारी की जान चली गई। पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना बुधवार सुबह हुई। मृतक की पहचान महेश अनंत कदम के रूप में हुई है।यह घटना वर्तक नगर क्षेत्र में स्थित डोमिनोज पिज्जा जॉइंट पर हुई, जिसकी पुष्टि ठाणे नगर निगम के आपदा प्रबंधन सेल के प्रमुख यासीन तडवी ने की। घटना की सूचना मिलने पर वर्तक नगर पुलिस स्टेशन के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने एडीआर के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है. बिजली के झटके का सटीक कारण अभी तक निर्धारित नहीं किया गया है।इसी तरह, करंट लगने की एक और घटना हाल ही में सूरत के डिंडोली इलाके में हुई, जिसमें दो किशोर भाई शामिल थे।

शिवम यादव (13) और शिवा यादव (15) 16 जनवरी को कथित तौर पर अपने शिक्षक खुन्ना तिवारी की देखरेख में अपने स्कूल की छत की सफाई करते समय बिजली की चपेट में आ गए। दोनों भाई छत से पतंगें और धागे साफ कर रहे थे, तभी शिव गलती से बिजली के तार के संपर्क में आ गया, जिससे उसे गंभीर बिजली का झटका लगा। अपने भाई को बचाने के साहसी प्रयास में शिवम भी करंट की चपेट में आ गया। दोनों भाइयों को तुरंत सूरत नगर निगम द्वारा संचालित SMIMER अस्पताल ले जाया गया। शिव को लगभग 65% जलने के साथ गंभीर चोटें आईं, जिसके परिणामस्वरूप विशेष देखभाल के लिए वेसु के एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित किया गया। सौभाग्य से, शिवम की हालत स्थिर बताई गई है।

पति ने कर दी पत्नी की निर्मम हत्या... फेसबुक से हुआ था प्यार

मुंबई : कांजुरमार्ग में पत्नी की हत्या के मामले में क्राइम ब्रांच ने पति को पकड़ लिया। आरोपी, जो शुरू में पीड़िता से फेसबुक पर मिला था और बाद में उससे शादी कर ली, अब उसकी मौत में फंस गया है। क्राइम ब्रांच से मिली जानकारी के मुताबिक, मंगलवार को पुलिस को कांजुरमार्ग स्थित एक झुग्गी बस्ती में बदबू आने की शिकायत मिली. जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़ा तो महिला बेडशीट में लिपटी हुई मिली. महिला का शव मिला, जिसे पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया. जहां इस बात की पुष्टि हो गई कि महिला

की हत्या की गई है. इस मामले की समानांतर जांच कर रही क्राइम ब्रांच ने आरोपी पति राजेश यादव को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार कर लिया. डीसीपी राज तिलक रोशन ने बताया कि क्राइम ब्रांच की टीम ने आरोपी की लोकेशन ट्रेस की और उसे गाजीपुर से हिरासत में लिया. पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक दोनों की मुलाकात फेसबुक पर हुई थी. वहीं से दोनों ने नंबर एक्सचेंज करना शुरू कर दिया. दोनों आपस में बातें करने लगे. यह बातचीत धीरे-धीरे प्यार में बदल गई और दोनों शादी करना चाहते थे।एक अधिकारी ने बताया कि लड़की राजेश से शादी करने के लिए उड़ीसा से मुंबई आई थी, लेकिन राजेश हर दिन शराब पीकर आता था, जो महिला को पसंद नहीं था. उसने इसका विरोध किया. दोनों के बीच झगड़ा हुआ जिसके चलते उसने दीपा यादव (22) की हत्या कर दी.

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : शॉप नंबर ४ , मदीना मेंशन, ८९ ए, कैडल रोड, अपोजिट बिल्लाबोंग स्कूल, माहिम पश्चिम, मुंबई ४०००१६ , महाराष्ट्र मोबाइल नं 998777 5650 व्हाट्सप्प नं 7977408589: Email-editor@rokthoklekhaninews.com